**बीएसएनएलईयू/102 (सर्कुलर सं.06)** **02 जूर्न, 2011**

**सेवा में,**

**सभी सर्किल और जिला सचिव**

**प्रिय साथियों,**

**उपभोक्ता रूचि माह कार्यक्रम जून तक बढ़ाया गया**

नेशनल जेएसी में अपनी 30.5.2011 को नई दिल्ली में हुई मीटिंग में ''उपभोक्ता रूचि माह'' को एक महीने और आगे बढ़ाने यानी जून 2011 तक करने का निर्णय लिया है। इसे वेबसाइट और एसएमएस के माध्यम से पहले ही सूचित कर दिया गया है। हमें उपभोक्ता रूचि माह के सफलतापूर्वक मनाए जाने के बारे में विभिन्न सर्किलों से बहुत अच्छी रिर्पोट मिल रही है। उपभोक्ता रूचि माह का उद्देश्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और उपभोक्ता संबंधों में सुधार के लिए आम कर्मचारियों को शामिल करना है। उपभोक्ता रूचि माह शुरू करने के बाद फील्ड स्तर पर कर्मचारियों द्वारा जिन विभिन्न कठिनाइयों का सामना किया जा रहा है, मुख्य रूप से सामग्री/उपकरणों की भारी कमी को सीएमडी और निदेशक (एचआर) की जानकारी में उनके स्तर पर उपयुक्त कार्यवाही हेतु लाया गया है। नैगमिक प्रबंधन भी आवश्यक कार्यवाही कर रहा है और कार्यक्रम के लिए सहयोग प्रदान कर रहा है। इस बीच नेशनल जेएसी नेताओं ने उपभोक्ता रूचि माह को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, उ.प्र. (पश्चिम), उत्तरांचल और मध्य प्रदेश का दौरा किया है। जब जेएसी और कर्मचारियों के प्रयत्न देश भर में अच्छे नतीजे पेश कर रहे हैं तो इस कार्यक्रम को आगे ले जाना और भी महत्वपूर्ण है ताकि बीएसएनएल एक बार फिर लाभ कमाने वाला पीएसयू बन सके। इन परिस्थितियों में जून के माह में भी इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कामरेडों से पूरे प्रयत्न करने का अनुरोध है।

**जनतांत्रिक कार्य प्रणाली में सुधार करना**

तिरूवनंतपुरम एआईसी संगठन और इसकी जनतांत्रिक कार्य प्रणाली को मजबूत करने का आह्वान किए हुए पहले ही एक वर्ष हो चुका है। इस दिशा में काफी कुछ करने की जरूरत है। अब एक के बाद एक सर्किल कान्फ्रेंस हो रही हैं। वे सर्किल यूनियनें जिनकी कान्फ्रेंस ड्यू हो गई हैं उन्हें बिना और देर किए इनका आयोजन करना चाहिए। कान्फ्रेंसों का आयोजन करते हुए प्रत्येक सर्किल को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी ब्रांच और जिला कान्फ्रेंसें जो ड्यू हो गई हैं वे बिना देरी के आयोजित की जाएं।

हाल ही में यह देखा गया है कि कुछ सर्किल कान्फ्रेंस डेलीगेटों के उचित चुनाव के बगैर आयोजित की गई हैं। यह प्रथा तुरंत बंद होनी चाहिए सर्किल कान्फ्रेंस ब्रांचों से उचित तरीके से चुने गए डेलीगेटों के साथ ही होनी चाहिएं। सर्किल कान्फ्रेंस से पहले सभी ब्रांचों को सात दिन का नोटिस देने के बाद अपनी जनरल बॉडी मीटिंगें आयोजित करनी चाहिएं और प्रत्येक 20 सदस्य पर एक डेलीगेट की दर से डेलीगेटों का चुनाव करना चाहिए। सभी सर्किल सचिवों से इसे सख्ती के साथ लागू करने का अनुरोध है।

एक और क्षेत्र जहां ध्यान देने की जरूरत है वह एक्जीक्यूटिव कमेटी मीटिंगें आयोजित करना है। इस समय एक्जीक्यूटिव कमेटी में चर्चा किए बगैर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं। संविधान के अनुसार सर्किल एक्जीक्यूटिव कमेटी की 3 महीने में एक बार मीटिंग होगी। उसी प्रकार जिला एक्जीक्यूटिव कमेटी की 2 महीने में एक बार मीटिंग होगी। सर्किल और जिला सचिवों को इसका सख्ती के साथ पालन करने का अनुरोध है।

एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र जहां ध्यान देने की जरूरत है वह ब्रांच जनरल बॉडी मीटिंगें आयोजित करना है। तिरूवनंतपुरम अखिल भारतीय कान्फ्रेंस ने निर्णय लिया है कि ब्रांच जनरल बॉडी मीटिंगें एक महीने में एक बार आयोजित की जानी चाहिएं। यह हमारे संगठन के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। सर्किल और जिला सचिवों से इस पहलू पर अत्यधिक ध्यान देने और अपने सर्किल/जिले में हर माह जनरल बॉडी मीटिंगों का आयोजन सुनिश्चित

करने का अनुरोध है।

**केजुअल और ठेका मजदूरों के मुद्दे**

बीएसएनएल एम्पलॉइज यूनियन की गुवहाटी अखिल भारतीय कान्फ्रेंस के निर्णय के अनुरूप ही बीएसएनएल केजुअल और ठेका मजदूर फेडरेशन का गठन किया गया था। कहने की जरूरत नहीं इस यूनियन की प्रभावशाली फंक्शनिंग और वृद्धि के लिए बीएसएनएलईयू के सक्रिय समर्थन और सहयोग की बहुत अधिक जरूरत है। किंतु दुर्भाग्य से हमारी अधिकांश सर्किल यूनियनें इस मुद्दे पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही हैं। बीएसएनएल नैगमिक कार्यालय द्वारा ठेका मजदूरों की वेतन बढ़ोतरी के लिए जारी किए गए आदेशों को अधिकांश सर्किलों में अब भी लागू नहीं किया गया है। यह बड़ अफसोस की बात है। सभी बीएसएनएल सर्किल यूनियनों को ठेका मजदूरों की वेतन बढ़ोतरी पर सुनिश्चित करना पड़ेगा। कई सर्किलों से यह रिर्पोट भी मिल रही है कि बीएसएनएल केजुअल और ठेका मजदूर फेडरेशन के सक्रिय कार्यकर्ताओं और नेताओं को यूनियन गतिविधियों के लिए उत्पीड़ित किया जा रहा है और छटनी की जा रही है। हम इन अत्याचारों को बर्दाश्त नहीं कर सकते। बीएसएनएलईयू को इसे रोकने के लिए सभी प्रयत्न करने होंगे। जहां आवश्यक है श्रम कानून को लागू करने वाले अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग करनी होगी। प्रबंधन यह तर्क भी दे रहा है कि बीएसएनएलईयू केजुअल और ठेका मजदूरों के मुद्दे नहीं उठा सकती। हम इस तर्क को स्वीकार नहीं कर सकते। बीएसएनएलईयू के सीएचक्यू ने प्रबंधन को यह एकदम स्पष्ट कर दिया है कि बीएसएनएलईयू केजुअल और ठेका मजदूरों के मामलों में हस्तक्षेप करेगी। अतः सीएचक्यू सर्किल और जिला यूनियनों से इस मुद्दे पर आवश्यक ध्यान देने का पुनः अनुरोध करती है।

सधन्यवाद

आपका साथी

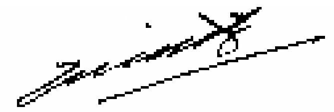

(पी. अभिमन्यु)

जनरल सेक्रेटरी